मैंने देखा चाची के सेक्स का खेल

“देसी मेड Xxx कहानी में पढ़ें कि लॉकडाउन में पैसे की तंगी के कारण मेरी चाची लोगों के घरों में बर्तन झाड़ू करने लगी. मैं भी उनके साथ जाने लगी. मैंने क्या देखा ? …”

Story By: (varindersingh)
Posted: Monday, July 12th, 2021
Categories: कोई देख रहा है
Online version: मैंने देखा चाची के सेक्स का खेल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने देखा चाची के सेक्स का खेल

देसी मेड Xxx कहानी में पढ़ें कि लॉकडाउन में पैसे की तंगी के कारण मेरी चाची लोगों के घरों में बर्तन झाड़ू करने लगी. मैं भी उनके साथ जाने लगी. मैंने क्या देखा ?

लेखक की पिछली कहानी : लॉकडाउन में मेरी भतीजी की चूत मिली

दोस्तो, मैं आपकी दोस्त रिज़वाना, आज मैं इस देसी मेड Xxx कहानी में आपको अपने जीवन की एक बहुत बड़ी सच्चाई बताने जा रही हूँ।

बात ऐसी है कि मैं बहुत ही गरीब घर से हूँ। अब्बू ऑटो चलाते हैं.

घर का गुजारा ठीक ठाक चल रहा था, मगर लोक डाउन की वजह से अब्बू का काम बंद हो गया, तो घर में खाने के भी लाले हो गए।
अब जब घर से बाहर ही नहीं जा सकते, लोग भी घरों में घुस कर बैठे हैं, तो हम जैसे गरीब लोग कमाई कैसे करें।

तो इन दिनों में घर की हालत को सुधारने की कोशिश में अम्मी ने अब्बू से बात करी के अगर वो लोगों के घरों में बर्तन और झाड़ू का काम कर लें, तो घर में कुछ पैसे आ जाएंगे।
अब्बू ने भी मजबूरी में हाँ कर दी।

थोड़े दिन के बाद अम्मी को दो तीन घरों में काम मिल गया।
अम्मी लोगों के घरों में जाकर काम करने लगी।

मैं भी अब बड़ी हो चुकी थी तो अम्मी अक्सर मुझे भी अपने साथ अपनी मदद करने ले जाती। जैसे अम्मी ने बर्तन धोये तो मैंने झाड़ू कर दिया.

इस तरह से हम दोनों अम्मी बेटी काम करके अपने घर का खर्चा चलाने लगी।

मगर फिर भी बात नहीं बन रही थी, हाँ घर में चूल्हा जलने लगा।
करीब डेढ़ दो महीने ऐसे ही चलता रहा।

मगर एक बात मैंने नोटिस करी की कि अब अम्मी के तेवर बदलने लगे।
क्योंकि अब्बू तो घर पर खाली बैठे थे और अम्मी कमा रही थी तो वो अक्सर अब्बू के साथ बदतमीजी करती, अब्बू पर रूआब झाड़ती, उनको खरी खोटी सुनाती।

मुझे ये समझ नहीं आ रहा था कि अम्मी अगर कमाने लगी है तो वो अब्बू पर हावी क्यों होने लगी है।

मगर इसके पीछे वजह कुछ और थी, जो मुझे एक दिन पता चल ही गई।

हुआ यूं कि हमारे बिल्कुल साथ वाला घर हमारे चाचाजान की है.
वो भी अब्बू की ही तरह ऑटो चलाते थे मगर अब वो भी बेकार थे.
और चाची भी अम्मी की तरह लोगों के घरों में काम करती थी.

अम्मी और चाची की आपस में बहुत बनती थी, दोनों बहुत ही अच्छी दोस्त थी.
और चाची के कहने पर ही अम्मी ने लोगों के घर का काम करना शुरू किया था. और इसके लिए अब्बू को मनाने में चाचा और चाची ने खूब ज़ोर लगाया था।

कभी कभी मुझे चाची भी अपने साथ ले जाती थी और मैं और चाची दोनों मिल कर काम कर आती।

ऐसे ही एक दिन मैं और चाची दोनों वीरेंदर सिंह तोमर के घर काम करने गई थी।

ये जो तोमर साब हैं न … सिरे के ठर्की आदमी हैं। अक्सर चाची से कुछ न कुछ हंसी

मज़ाक करते रहते थे.
चाची भी खूब हंस हंस कर उनका जवाब देती।

अब इतनी बच्ची तो मैं भी नहीं थी, मुझे लगने लगा के तोमर साब और चाची में कुछ न कुछ चल रहा है।

पर अभी तक ये ज़ाहिर नहीं हुआ था मगर कब तक छुपता।

एक दिन मैं ड्राइंग रूम में पोंछा लगा रही थी और चाची किचन में बर्तन धो रही थी कि अचानक ज़ोर से बर्तन गिरने की आवाज़ आई.

मैंने एकदम से किचन की तरफ देखा तो मेरी तो आँखें फटी की फटी रह गई।
तोमर साब ने चाची को पीछे से पकड़ रखा था, और वो दोनों हाथों से चाची के मम्मे दबा रहे थे और चाची दाँत फाड़ रही थी।

मैं तो देख कर हैरान रह गई।
उसके बाद मैं अक्सर उन पर नज़र रखने लगी।

जब भी मैं चाची के साथ जाती तो मेरे सारा ध्यान इसी तरफ रहता कि कब तोमर साब चाची के साथ कोई गलत हरकत करें और मैं छुप छुप कर देखूँ।

अब मेरे जिस्म पर भी जवानी अपने रंग चढ़ाने लगी थी।
मेरे मम्मे बनने लगे थे, जांघें मोटी होने लगी थी, चूतड़ बाहर को निकलने लगे थे। बाजू, कंधे, पीठ, कमर हर जगह जैसे मांस भरने लगा था।

अपने बदन के ये उभार मुझे इस तरह की कामुक बातों के लिए और उकसाते थे।

जब भी चाची तोमर साब से अपने मम्मे दबवाती तो मेरा भी दिल करता के तोमर साब

किसी दिन ऐसे ही मेरे भी मम्मे दबा दें।

मगर उनका ध्यान ज़्यादा चाची की तरफ था क्योंकि मैं छोटी थी और वो अक्सर मुझे बेटा और बच्चा करके बोलते थे।

मैं भी अक्सर अम्मी की बजाये चाची की साथ ज़्यादा जाने लगी ताकि और ज़्यादा चाची का लुच्चपना देख सकूँ।

एक दिन जब हम काम करने गई तो पता चला कि तोमर की साब की बीवी अपने बच्चों के साथ मायके गई है।

तो चाची मुझसे बोली- अरे रिज़वाना, ऐसा कर तू बस झाड़ू करके अपनी अम्मी के पास चली जा, मैं बाकी काम निपटा कर आ जाऊँगी।

मैंने हाँ तो कह दी मगर मुझे महसूस हुआ कि चाची मुझे यहाँ से सिर्फ भगाना चाहती है।

इसलिए मैं झाड़ू लगाकर चाची से बिना कहे ही बेडरूम में जा कर पोंछा लगाने लगी।
चाची को लगा शायद मैं चली गई तो थोड़ी देर बाद वो पोंछा ले कर ड्राइंग रूम में पोंछा लगाने लगी.

इतने में तोमर साब भी बाहर से आ गए.
जब उन्होंने देखा कि चाची अकेली है तो झट से जाकर चाची को पकड़ लिया.

चाची भी हंसने लगी।
तोमर साब बोले- वो छोटी छिनाल गई क्या ?
चाची बोली- हाँ मैंने कह दिया था, चली गई होगी।

मुझे बड़ा अजीब लगा कि सामने तो तोमर सब मुझे बड़ा बेटा बेटा करते हैं और पीठ पीछे

छोटी छिनाल।
कितना घटिया आदमी है।

मगर मुझे तो दोनों की काम लीला देखनी थी, तो मैं चुपचाप बेड के नीचे लेट कर छुपी रही।

पहले तो तोमर साब चाची को गले लगाते, चूमते रहे।
फिर उन्होंने खुद ही चाची की ब्लाउज़ खोल कर उतार दी और चाची खुद ही साड़ी खोलने लगी।

1 मिनट में चाची बिल्कुल नंगी हो गई.
तो तोमर साब ने भी अपना पाजामा उतार दिया।

नीचे से चड्डी में उनका लंड अकड़ा हुआ दिख रहा था।

चाची खुद ब खुद घुटनों के बल बैठ गई और उसने तोमर साब का कड़क लंड अपने हाथ में पकड़ा और उसे पीछे को खींचा.
तो तोमर साब का भूरे रंग का मोटा टोपा बाहर निकला आया।

चाची तोमर साब का टोपा देख कर मुस्कुराई.
तो तोमर साब बोले- देखती क्या है रांड … चूस इसे!
मुझे उनका रांड कहना बड़ा अच्छा लगा, दिल चाहा वो मुझे भी रांड कहें।

चाची ने मुंह खोला और तोमर साब का काला सा लंड अपने मुंह में लेकर चूसने लगी।
देख कर ही मुझे तो उबकाई सी आ गई ‘ऊऊ …’ कैसे कर लिया चाची ने … तोमर साब की पेशाब वाली जगह अपने मुंह में ले ली।

मुझे अजीब लगा मगर चाची तो खूब मज़े ले ले कर चूस रही थी।
फिर थोड़ी देर उसे लंड चूसता देख कर मुझे भी लगा कि शायद हो सकता है इसे चूसने में मज़ा आता हो।

तोमर साब ने अपनी बनियान भी उतार दी, अब वो भी पूरी तरह नंगे हो चुके थे।

उन्होंने चाची को नीचे कालीन पर लेटा दिया.
चाची ने अपनी दोनों टाँगें खोल दी.

तोमर साब ने चाची की टाँगों के बीच में बैठ कर अपना लंड चाची की चूत पर रखा और फिर आगे को हुये. मतलब उनका लंड चाची की चूत में घुस गया था।

उसके बाद तोमर साब आगे पीछे को हिलने लगे।
दोनों बहुत खुश लग रहे थे।

तोमर साब बोले- तुझे चोद कर मज़ा आ जाता है, भैंणचोद … पर मुझे तो तेरी जेठानी की लेनी है, उसको मेरे नीचे लेटा।
चाची बोली- क्यों मुझ में क्या कमी है जो आप उसके पीछे पड़े हो ?

वो बोले- अरे तुझ में कोई कमी नहीं है, बस उस पर दिल आ गया है, बहुत मन करता है कि वो इसी तरह इसी जगह लेटी हो और मैं उसे चोद रहा हूँ।
चाची बोली- अरे मैं कोशिश तो कर रही हूँ, आपके भेजे पैसे उसको दे देती हूँ। उसको उसके शौहर के खिलाफ भड़काती हूँ। और आपकी बहुत तारीफ करती हूँ, ताकि वो अपने शौहर से नफरत करे, और आपकी ओर खिंचे।

तोमर साब बोले- तो कोई फायदा हुआ इसका ?
चाची बोली- अरे बहुत फायदा हुआ है. अब उनके घर हर रोज़ लड़ाई होती है। लगता है

जल्द ही वो मेरी बात मान जाएगी और आपसे दोस्ती कर लेगी। मैं उसकी लड़की को भी लाइन पर ला रही हूँ, एक दिन आप उसको भी चोदना।

तोमर साब बोले- अरे अभी तो वो छोटी है, अभी उसको कैसे चोद सकता हूँ।
चाची बोली- अरे पूरी छिनाल है वो … 19 साल की हो गयी है. एक मैंने उसको उंगली करते देखा. अब अगर वो अपनी चूत में उंगली कर रही है, तो मतलब उसे लंड चाहिए. और अगर वो लंड आपका हो तो क्या आपको कोई ऐतराज है ?

तोमर साब खुश हो कर बोले- अरे वाह, फिर तो मजा आ जाएगा. बहुत बरस हो गए किसी कच्ची को फाड़े, साली की चूत पर अभी बाल भी नहीं आयें होंगे।
चाची बोली- अरे मैंने देखा कहाँ कि उसके बाल आये या नहीं … आप खुद देख लेना. बिल्कुल कच्ची है, एकदम कली.

तोमर साब बोले- तू बात सुन, मुझे नहीं पता जैसे मर्ज़ी कर, मुझे उन दोनों अम्मी बेटी को चोदना है, पहले अम्मी को, फिर बेटी को। उस दिन जब वो तेरे साथ यहाँ आई थी न, तो उसी दिन उसकी चूचियाँ देखी थी, क्या मस्त चूची हैं. तू मुझे उसकी चूत दिलवा, रुपये 10000 तेरे !

चाची खुश हो गई- अरे वाह साब, इतनी मेहरबानी ! लगता है आज मुझे खुद ही आपको अपनी गांड देनी होगी।
तोमर साब बोले- हाँ हाँ क्यों नहीं, जब तक तेरी गांड न मार लूँ, साला लगता ही नहीं के किसी रांड को चोदा है।

उसके बाद तोमर साब ने चाची को कहा- चल घोड़ी बन !
चाची बड़ी खुशी से तोमर साब की तरफ पीठ करके घोड़ी की तरह बन गई.

और फिर तोमर साब ने अपने लंड पर थूक लगा कर चाची की गांड में अपना लंड घुसेड़ा.
चाची दर्द से तड़पी- अरे साब, आराम से … बहुत दर्द होता है, धीरे से डालो।
तोमर साब बोले- अरे धीरे से ही डाल रहा हूँ, बस एक बार पूरा घुस जाने दे उसके बाद आराम से चोदूँगा।

उसके बाद तोमर साब ने चाची को खूब रगड़ा।
मैंने बेड के नीचे लेटे लेटे अपनी उंगली अपनी चूत में डाल ली.

उधर चाची चुद रही थी और इधर मैं अपनी चूत में उंगली कर रही थी।

कितनी देर दोनों ऐसे ही सेक्स करते रहे, मेरा भी उंगली करते करते दो बार पानी छुट गया।

जब तोमर साब ने चाची के मुंह पर अपना माल गिराया तो उसके बाद वो दोनों बाथरूम में अपने आप को धोने साफ करने गए.

तब मैं जल्दी से बेड के नीचे से निकल कर भागी और अपने घर जाकर ही सांस ली।

दो दिन बाद चाची अपने गाँव चली गई और तोमर साब के घर का काम भी हम दोनों ही करने लगी।

एक दिन अम्मी हमें बाज़ार ले गई और हम सबको कपड़े दिलवाए।

उसके बाद अब अम्मी हर घर में काम पर मुझे अपने साथ ले जाती है मगर तोमर साब के घर नहीं जाने देती, वहाँ खुद अकेली ही काम करने जाती है।

हाँ अम्मी और पिताजी के झगड़े अब और बढ़ गए हैं।

मेरी देसी मेड Xxx कहानी पर कमेंट्स करके बताएं कि कैसी लगी.

alberto62lope@gmail.com

Other stories you may be interested in

वक़्त से पहले और किस्मत से ज्यादा

हॉट सेक्स विद गर्लफ्रेंड का मजा लिया मैंने … पर उसकी शादी के बाद. हम पहले भी चुदाई करना चाहते थे पर कर नहीं पाए थे. उसने मुझे एक दिन अपने घर बुलाया. हेलो फ्रेंड्स, मैं अर्नव आज आपके बीच […]
Full Story >>>

शादी में पति और दो अजनबी लौड़ों से चुदी

मैं पति के साथ सहेली की शादी में गई। वहां सेक्सी लड़कियों को देख मेरे पति को ठरक चढ़ गयी. वो मुझे छोड़ने एक कमरे में ले गया. दो मर्दों ने हमें देख लिया … सभी हॉर्नी … हैंडसम मर्दों […]
Full Story >>>

चचेरी भाभी की चुदाई करके प्यास बुझायी

रियल लाइफ सेक्स कहानी मेरी चचेरी भाभी की चुदाई की कहानी है. एक बार मैंने भाभी को नंगी नहाती देखा तो मैं उन्हें चोदना चाहता था. मेरी हसरत कैसे पूरी हुई ? मेरा नाम परम है और मैं उत्तर प्रदेश का […]
Full Story >>>

प्यासी लड़की की वासना चुदाई से बुझी

ऑफिस गर्ल पोर्न कहानी में पढ़ें कि हमारी सहयोगी कम्पनी में एक लड़की से मेरी दोस्ती हो गयी. एक दिन वो उदास दिखी. उसका ब्रेकअप हो गया था. तो मैंने क्या किया ? नमस्कार मित्रो, मेरा नाम चन्दर है और मैं […]
Full Story >>>

ब्यूटी पार्लर में मसाज और चुदाई- 2

यह ब्यूटी पार्लर सेक्स कहानी वहां की मालकिन के साथ सेक्स की है. वो पहले ही अन्तर्वासना सेक्स कहनियाँ पढ़ कर गर्म हुई पड़ी थी. मैं वहां पहुंचा तो … दोस्तो, मैं आपको मसाज पार्लर में लेडी की चुदाई की […]
Full Story >>>